Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
31 January

Quote of the Day

Result Mitra

अगर आप कीमत देखे बिना चीज़े
खरीदना चाहते हैं तो
आपको बिना घड़ी देखे
काम भी करना पड़ेगा।

Result Mitra

2030 तक 10000 GI उत्पादों के पंजीकरण का लक्ष्य

UPSC Syllabus Relavance :

- UPSC Mains GS Paper - 3

2030 तक 10000 GI उत्पादों के पंजीकरण का लक्ष्य

Result Mitra

- केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में आयोजित जीआई समागम में 2030 तक 10,000 जीआई टैग प्राप्त करने का लक्ष्य घोषित किया। इस आयोजन का आयोजन उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) ने इंडिया टुडे ग्रुप के सहयोग से किया।

2030 तक 10000 GI उत्पादों के पंजीकरण का लक्ष्य

Result Mitra

- मंत्री ने इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए "संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण" अपनाने और इसके क्रियान्वयन की निगरानी हेतु एक समर्पित समिति गठित करने की घोषणा की। वर्तमान में भारत में 605 जीआई टैग जारी किए गए हैं।

605

2030 तक 10000 GI उत्पादों के पंजीकरण का लक्ष्य

Result Mitra

घोषणा के प्रमुख बिंदु:

- जीआई टैग लक्ष्य: 2030 तक 10,000 जीआई टैग प्राप्त करना, जो वर्तमान 605 से कई गुना अधिक होगा।
- समर्पित समिति का गठन: इस योजना की प्रगति और क्रियान्वयन की निगरानी के लिए विशेष समिति बनाई जाएगी।
- संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण: विभिन्न स्तरों पर समन्वय से इस लक्ष्य को हासिल किया जाएगा।

2030 तक 10000 GI उत्पादों के पंजीकरण का लक्ष्य

Result Mitra

आईपीआर संरचना को मजबूत करना:

- जीआई टैग धारकों की वृद्धि: 365 से बढ़कर 29,000 (पिछले दशक में)।
- पेटेंट आवेदन वृद्धि: 10 वर्षों में 6,000 से बढ़कर 1,00,000 तक।
- भारतीय उत्पादों को बढ़ावा: 'एक जिला एक उत्पाद' (ODOP) योजना को समर्थन और अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के लिए राष्ट्रीय फाउंडेशन फंड की स्थापना।

2030 तक 10000 GI उत्पादों के पंजीकरण का लक्ष्य

Result Mitra

ब्रांडिंग और मार्केटिंग प्रयास:

- गुणवत्ता मानकों के सहयोग: FSSAI और BIS के साथ मिलकर जीआई उत्पादों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करना।
- जालसाजी रोकने के उपाय: गुणवत्ता नियंत्रण के सख्त प्रावधान लागू किए जाएंगे।

2030 तक 10000 GI उत्पादों के पंजीकरण का लक्ष्य

Result Mitra

ब्रांडिंग और दृश्यता में सुधार:

- सरकारी प्लेटफार्मों जैसे GeM और ONDC पर उत्पादों की उपस्थिति बढ़ाना।
- निजी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसे अमेज़न और फ्लिपकार्ट पर जीआई उत्पादों को प्रमोट करना।
- भारतीय दूतावासों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन उत्पादों को बढ़ावा देना।

2030 तक 10000 GI उत्पादों के पंजीकरण का लक्ष्य

Result Mitra

राज्यों का योगदान और सुधार प्रक्रिया:

- उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र सरकार की प्रशंसा, जिन्होंने जीआई-टैग वाले उत्पादों को बढ़ावा दिया।

प्रक्रिया में सुधार:

- जीआई टैगिंग से जुड़े विभाग में मैनपावर बढ़ाई जाएगी।
- जीआई टैगिंग प्रक्रिया को पूर्ण रूप से ऑनलाइन और समयबद्ध बनाया जाएगा।

2030 तक 10000 GI उत्पादों के पंजीकरण का लक्ष्य

Result Mitra

निर्यात के अवसर:

- रेलवे और हवाई अड्डों पर जीआई उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास।
- निजी और सरकारी संगठनों के सहयोग से भारतीय जीआई उत्पादों के वैश्विक निर्यात को प्रोत्साहित किया जाएगा।
- यह पहल भारत की सांस्कृतिक विरासत और आर्थिक विकास को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जीआई टैग न केवल स्थानीय उत्पादों को मान्यता देंगे बल्कि कारीगरों और ग्रामीण समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएंगे।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत सरकार ने 2030 तक 10,000 जीआई टैग प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

2. इस लक्ष्य की प्रगति और कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक अंतरराष्ट्रीय समिति का गठन किया जाएगा।

3. भारतीय उत्पादों की ब्रांडिंग और विपणन को बढ़ावा देने के लिए GeM और ONDC जैसे सरकारी प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाएगा।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 1 और 3

(C) केवल 2 और 3

(D) 1, 2 और 3

Result Mitra

अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव 2025

UPSC Syllabus Relavance :

- UPSC Mains GS Paper - 1

अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव 2025

Result Mitra

- हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 29 जनवरी 2025 को यमुनानगर जिले के 'आदि बद्री' में सात दिवसीय 'अंतर्राष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव' 2025 का शुभारंभ किया। यह महोत्सव 4 फरवरी 2025 तक चलेगा, जिसमें विभिन्न सेमिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सरस मेला आयोजित किए जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव 2025

Result Mitra

- सरस मेला ग्रामीण कारीगरों के उत्पादों की प्रदर्शनी के साथ-साथ उनके व्यवसाय को प्रोत्साहित करने के लिए एक विपणन मंच प्रदान करता है।
- हरियाणा सरकार इस महोत्सव का बड़े स्तर पर आयोजन कर रही है और इसे हाल ही में संपन्न अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव की तर्ज पर विकसित करने की योजना बनाई गई है।

अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव 2025

Result Mitra

अंतर्राष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव 2025 के प्रमुख आकर्षण:

- उद्घाटन कार्यक्रम आदि बद्री में हुआ, जिसे देवी सरस्वती का जन्मस्थान माना जाता है।
- मुख्य आयोजन स्थल पिहोवा, ज्योतिसर और ब्रह्म सरोवर होंगे।
- सूख चुकी सरस्वती नदी के किनारे स्थित तीर्थों पर धार्मिक अनुष्ठान होंगे।

अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव 2025

Result Mitra

अंतर्राष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव 2025 के प्रमुख आकर्षण:

- 'सरस्वती स्थान सम्मेलन' आयोजित किया जाएगा, जिसमें यमुनानगर से गुजरात तक सरस्वती नदी के किनारे बसे तीर्थों के प्रतिनिधि और विद्वान भाग लेंगे।
- गजलाना गांव से कुरुक्षेत्र के पिपली तक सरस्वती यात्रा निकाली जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव 2025

Result Mitra

सरस्वती नदी के बारे में:

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की रिपोर्ट के अनुसार, वैदिक काल में सरस्वती नदी लगभग 6000 ईसा पूर्व वर्तमान सिंधु नदी प्रणाली के समानांतर प्रवाहित होती थी।
- इसका उद्गम हिमालय से हुआ था और यह सतलुज, यमुना, चौतांग और दृषद्वती जैसी सहायक नदियों के साथ भारत-गंगा के जलोढ़ मैदानों के पश्चिमी भाग से होकर गुजरती थी।

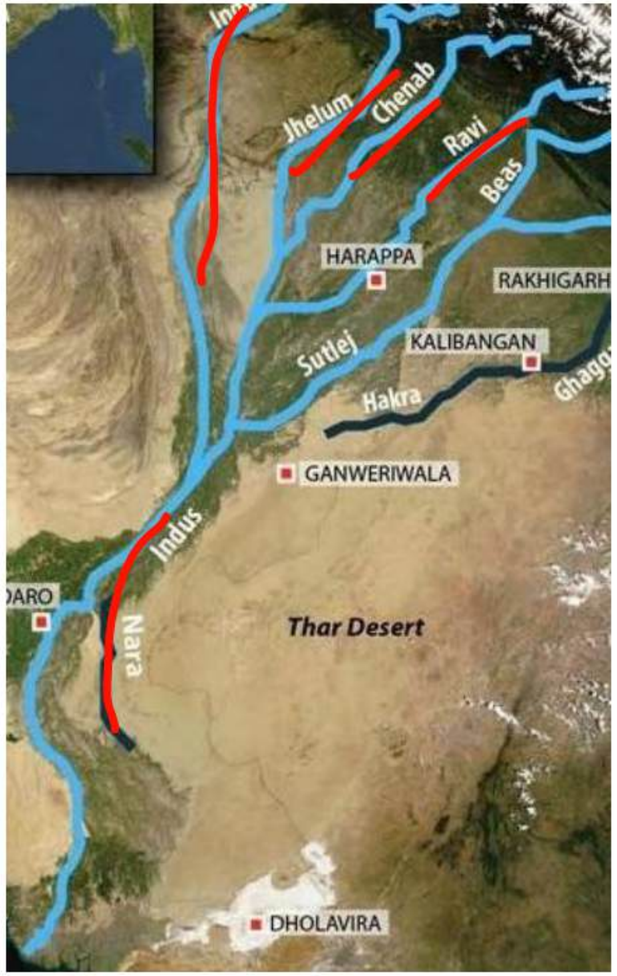

अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव 2025

Result Mitra

सरस्वती नदी के बारे में:

- सरस्वती नदी प्रणाली हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान से होकर गुजरती थी और अंततः गुजरात के कच्छ के रण में विलीन हो जाती थी।
- हिमालयी क्षेत्र में जलवायु और विवर्तनिक परिवर्तनों के चलते यह नदी धीरे-धीरे सूख गई और लगभग 3000 ईसा पूर्व लुप्त हो गई।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव 2025 का आयोजन हरियाणा के 'आदि बद्री' में किया गया।

2. इस महोत्सव में 'सरस्वती स्थान सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सरस्वती नदी के किनारे बसे तीर्थों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

3. सरस्वती नदी का उल्लेख केवल मध्यकालीन भारतीय ग्रंथों में मिलता है, वैदिक ग्रंथों में इसका कोई उल्लेख नहीं है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 1 और 3

(C) केवल 2 और 3

(D) 1, 2 और 3

Result Mitra

किशोरों में कम उम्र में स्मार्टफोन का बढ़ता उपयोग

UPSC Syllabus Relavance :

- UPSC Mains GS Paper - 3

किशोरों में कम उम्र में स्मार्टफोन का बढ़ता उपयोग

Result Mitra

- आजकल किशोरों, यहां तक कि कम उम्र के बच्चों में भी स्मार्टफोन का उपयोग बहुत आम हो गया है। यह प्रवृत्ति न केवल भारत में, बल्कि विश्व स्तर पर देखी जा रही है। कम उम्र में स्मार्टफोन के उपयोग के कई संभावित खतरे हैं जिनके बारे में जानना जरूरी है।

कम उम्र में स्मार्टफोन के उपयोग के संभावित खतरे

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव:

- नींद में कमी: देर रात तक स्मार्टफोन के इस्तेमाल से बच्चों की नींद पूरी नहीं हो पाती है, जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- तनाव और चिंता: सोशल मीडिया पर लगातार बने रहने और दूसरों से तुलना करने के कारण बच्चों में तनाव और चिंता बढ़ सकती है।

Result Mitra

कम उम्र में स्मार्टफोन के उपयोग के संभावित खतरे

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव:

- एकाकीपन: स्मार्टफोन के अत्यधिक उपयोग से बच्चों का वास्तविक दुनिया से संपर्क कम हो सकता है और वे एकाकीपन महसूस कर सकते हैं।
- डिप्रेशन: कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि स्मार्टफोन के अत्यधिक उपयोग से बच्चों में डिप्रेशन का खतरा बढ़ सकता है।

Result Mitra

कम उम्र में स्मार्टफोन के उपयोग के संभावित खतरे

शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव:

- मोटापा: स्मार्टफोन के इस्तेमाल से बच्चों की शारीरिक गतिविधि कम हो जाती है, जिससे मोटापे का खतरा बढ़ सकता है।
- आंखों पर प्रभाव: लगातार स्क्रीन देखने से बच्चों की आंखों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और उनकी नजर कमजोर हो सकती है।

Result Mitra

कम उम्र में स्मार्टफोन के उपयोग के संभावित खतरे

शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव:

- गर्दन और पीठ में दर्द: स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते समय गलत मुद्रा में बैठने से बच्चों को गर्दन और पीठ में दर्द हो सकता है।

Result Mitra

कम उम्र में स्मार्टफोन के उपयोग के संभावित खतरे

सामाजिक विकास पर प्रभाव:

- सामाजिक कौशल की कमी: स्मार्टफोन के अत्यधिक उपयोग से बच्चों का वास्तविक दुनिया से संपर्क कम हो सकता है, जिससे उनके सामाजिक कौशल का विकास प्रभावित हो सकता है।
- बातचीत करने में कठिनाई: जो बच्चे ज्यादा समय स्मार्टफोन पर बिताते हैं, उन्हें दूसरों से बातचीत करने में कठिनाई हो सकती है।

Result Mitra

कम उम्र में स्मार्टफोन के उपयोग के संभावित खतरे

पढ़ाई पर प्रभाव:

- पढ़ाई में मन नहीं लगना: स्मार्टफोन के इस्तेमाल से बच्चों का ध्यान भटक सकता है और उनका पढ़ाई में मन नहीं लग सकता है।
- ग्रेड में गिरावट: पढ़ाई में मन नहीं लगने से बच्चों के ग्रेड में गिरावट आ सकती है।

Result Mitra

कम उम्र में स्मार्टफोन के उपयोग के संभावित खतरे

अन्य खतरे:

- साइबरबुलिंग: सोशल मीडिया पर बच्चों को साइबरबुलिंग का शिकार होना पड़ सकता है।
- अनुचित सामग्री तक पहुंच: इंटरनेट पर बच्चों को अनुचित सामग्री तक पहुंच मिल सकती है।
- लत: स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग बच्चों को इसकी लत लगा सकता है।

Result Mitra

कम उम्र में स्मार्टफोन के उपयोग के संभावित खतरे

माता-पिता क्या कर सकते हैं?

- बच्चों के लिए स्मार्टफोन के उपयोग का समय निर्धारित करें।
- बच्चों को स्मार्टफोन के खतरों के बारे में जागरूक करें।
- बच्चों को अन्य गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें।
- बच्चों के साथ समय बिताएं और उनसे बातचीत करें।

Result Mitra

कम उम्र में स्मार्टफोन के उपयोग के संभावित खतरे

माता-पिता क्या कर सकते हैं?

- बच्चों के लिए एक रोल मॉडल बनें।
- यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि स्मार्टफोन का उपयोग पूरी तरह से हानिकारक नहीं है। यदि इसका सही तरीके से और सीमित मात्रा में उपयोग किया जाए, तो यह बच्चों के लिए उपयोगी भी हो सकता है। लेकिन, माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके बच्चे स्मार्टफोन का उपयोग सुरक्षित और स्वस्थ तरीके से करें।

Result Mitra

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग किशोरों में नींद की कमी, तनाव और एकाकीपन जैसी समस्याओं को जन्म दे सकता है।

2. स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग से बच्चों में सामाजिक कौशल का विकास तेज गति से होता है।

3. माता-पिता बच्चों के लिए स्मार्टफोन के उपयोग का समय निर्धारित करके इसके दुष्प्रभावों को कम कर सकते हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1 और 3

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 2

(D) 1, 2 और 3

Result Mitra

GSLV-F15 और NVS-02

UPSC Syllabus Relavance :

- प्रारंभिक परीक्षा के संदर्भ में: अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और विकास, भारत की अंतरिक्ष क्षमता, भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (ISRO)
- मुख्य परीक्षा, सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-3 के संदर्भ में: विज्ञान और प्रौद्योगिकी, भारत की रणनीतिक महत्वाकांक्षाएं, वैज्ञानिक प्रगति और नवाचार, वैश्विक प्रतिस्पर्धा

GSLV-F15 और NVS-02

Result Mitra

- यह मिशन ISRO के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि यह श्रीहरिकोटा से 100वीं लॉन्च को चिन्हित करता है और भारत की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में प्रगति को प्रदर्शित करता है।
- भारत की क्षेत्रीय उपग्रह नेविगेशन में बढ़ती प्रतिष्ठा और अंतरिक्ष अनुसंधान और प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती क्षमताओं को उजागर करता है।

GSLV-F15 और NVS-02

Result Mitra

मिशन का अवलोकन:

- लॉन्च वाहन: GSLV-F15 (भारत के भू-समकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान का 17वां उड़ान)।
- स्वदेशी क्रायोजेनिक स्टेज: स्वदेशी क्रायोजेनिक स्टेज के साथ 11वीं उड़ान, जो प्रणोदन क्षमता को बढ़ाता है।
- पेलोड फैयरिंग: धातु से बनी पेलोड फैयरिंग, जिसका व्यास 3.4 मीटर है।

GSLV-F15 और NVS-02

Result Mitra

श्रीहरिकोटा की उपलब्धि:

- श्रीहरिकोटा से 100वीं लॉन्च: यह मिशन सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (SHAR), श्रीहरिकोटा से 100वीं लॉन्च को चिन्हित करेगा।
- ऐतिहासिक महत्व: भारत की बढ़ती अंतरिक्ष क्षमताओं और बुनियादी ढांचे के विकास का प्रतीक।

SHAR

GSLV-F15 और NVS-02

Result Mitra

लॉन्च विवरण:

- निर्धारित तिथि और समय: 29 जनवरी 2025, 06:23 बजे।
- उपग्रह: NVS-02 नेविगेशन उपग्रह, जिसे भारत की नेविगेशन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए लॉन्च किया जा रहा है।

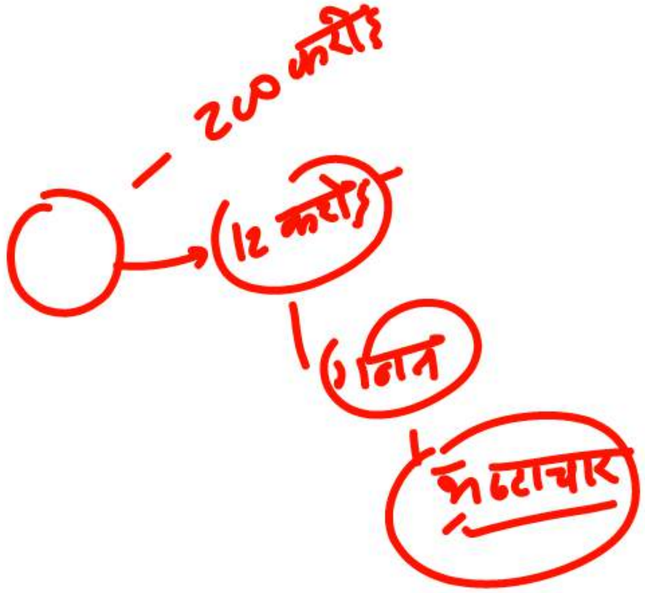

GSLV-F15 और NVS-02

Result Mitra

NavIC प्रणाली:

- भारतीय नेविगेशन प्रणाली: NavIC (नेविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन) भारत की क्षेत्रीय नेविगेशन उपग्रह प्रणाली है, जो स्थिति, गति और समय (PVT) सेवाएं प्रदान करती है।
- SPS (मानक स्थिति सेवा): 20 मीटर से बेहतर स्थिति सटीकता और 40 नैनोसेकंड से बेहतर समय सटीकता प्रदान करती है।

GSLV-F15 और NVS-02

Result Mitra

मिशन का उद्देश्य:

- प्राथमिक उद्देश्य: NVS-02 उपग्रह को भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (GTO) में स्थापित करना।
- महत्व: भारत की स्वतंत्रता को बढ़ावा देना और क्षेत्रीय नेविगेशन सेवाओं को मजबूत करना।

GSLV-F15 और NVS-02

Result Mitra

रणनीतिक महत्व:

- भारत की नेविगेशन सेवाओं को सिविल और सैन्य दोनों अनुप्रयोगों के लिए सशक्त बनाना।
- स्वदेशी क्षमताओं के साथ भारत की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में बढ़ती आत्मनिर्भरता।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न:GSLV-F15 और NVS-02 मिशन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. GSLV-F15 श्रीहरिकोटा से 100वीं उड़ान है और इसमें NVS-02 नेविगेशन सैटेलाइट है।

2. NVS-02 सैटेलाइट NavIC प्रणाली का हिस्सा है, जो केवल भारतीय मुख्यभूमि को सेवाएं प्रदान करता है।

3. यह लॉन्च शार के सतीश धवन स्पेस सेंटर के पहले लॉन्च पैड से होगा।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/है?

A. केवल 1

B. 1 और 2 केवल

C. 1 और 3 केवल

D. 1, 2 और 3

Result Mitra

38वे राष्ट्रीय खेल 2025 एवं खेलों की भूमिका

38वे राष्ट्रीय खेल 2025 एवं खेलों की भूमिका

Result Mitra

- उत्तराखंड जनवरी 28, 2025 से शुरू होने वाली 38वीं राष्ट्रीय खेलों की मेज़बानी के लिए तैयार है। यह राज्य का अब तक का सबसे बड़ा खेल आयोजन होगा, जिसमें भारत भर के एथलीट 35 विभिन्न खेलों में प्रतियोगिता करेंगे।

38वे राष्ट्रीय खेल 2025 एवं खेलों की भूमिका

मुख्य बिंदु:

- राज्य ने इस ऐतिहासिक आयोजन के प्रतीकों के रूप में तीन महत्वपूर्ण तत्व प्रस्तुत किए हैं: लोगो, शुभंकर 'मौली' और मशाल 'तेजस्विनी'। ये प्रतीक उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, आश्चर्यजनक प्राकृतिक सुंदरता और दृढ़ता को दर्शाते हैं, जबकि राज्य के 25वें स्थापना वर्ष को गर्व और उल्लास के साथ मनाने का प्रतीक हैं।

38वे राष्ट्रीय खेल 2025 एवं खेलों की भूमिका

मुख्य बिंदु:

- यह खेल आयोजन न केवल एक बड़ा प्रतिस्पर्धा अवसर है, बल्कि उत्तराखंड को अपनी सांस्कृतिक और प्राकृतिक पहचान को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का अनोखा अवसर भी है।

38वे राष्ट्रीय खेल 2025 एवं खेलों की भूमिका

लोगो:

- 38वीं राष्ट्रीय खेलों का आधिकारिक लोगो उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर का सम्मिलित रूप है। इसमें प्रमुख रूप से शामिल हैं:
- हिमालय पर्वत श्रृंग: राज्य की भव्यता और दृढ़ता का प्रतीक।
- हिमालयन मोनल (राज्य पक्षी): जैव विविधता और सांस्कृतिक गौरव को दर्शाता है।
- गंगा नदी: पवित्रता और आध्यात्मिकता का प्रतीक, जो उत्तराखंड की पहचान का अहम हिस्सा है।

× × ×

38वे राष्ट्रीय खेल 2025 एवं खेलों की भूमिका

शुभंकर 'मौली':

- उत्तराखंड के राज्य पक्षी, हिमालयन मोनल पर आधारित 'मौली' शुभंकर, राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, जीवंत वन्यजीवों और इस क्षेत्र की दृढ़ता को व्यक्त करता है।
- हिमालयन मोनल अपने शानदार रंगों और सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है, जो उत्तराखंड के प्राचीन पहाड़ों से लेकर हरे-भरे जंगलों तक फैली सुंदरता का प्रतीक है।
- 'मौली' इस राज्य के लोगों की जुझारू भावना और खेलों के प्रति उनकी मेहनत और आत्मविश्वास को व्यक्त करता है।

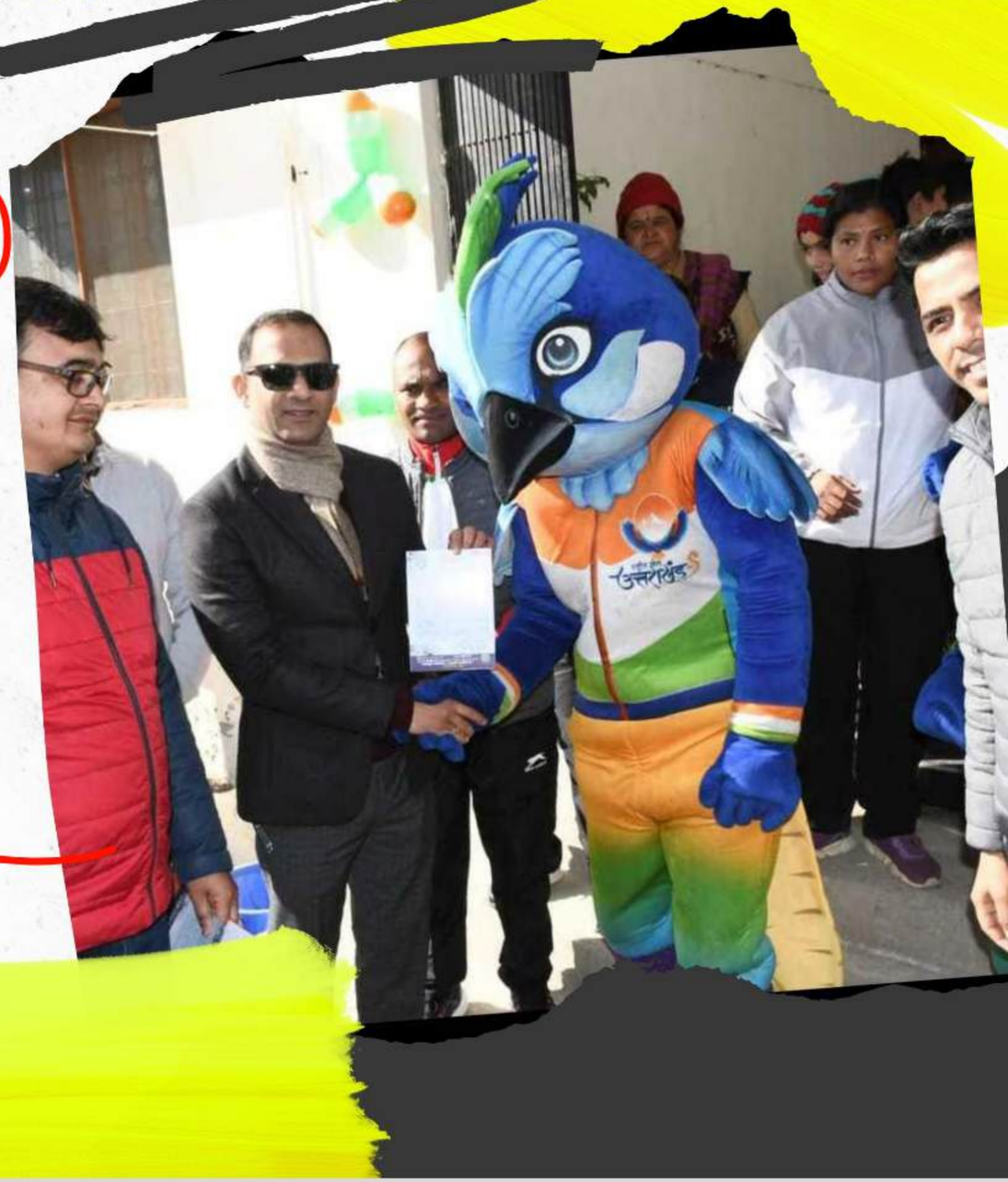

Result Mitra

38वे राष्ट्रीय खेल 2025 एवं खेलों की भूमिका

मशाल 'तेजस्विनी':

- 38वीं राष्ट्रीय खेलों की आधिकारिक मशाल 'तेजस्विनी' शक्ति, प्रेरणा और उत्कृष्टता की निरंतर खोज का प्रतीक है। यह मशाल उत्तराखंड भर में खेल भावना और प्रतियोगिता की ज्वाला को प्रज्वलित करेगी।
- तेजस्विनी का डिज़ाइन राज्य के पर्वतीय सौंदर्य और इसके लोगों की ऊर्जा को दर्शाता है। यह मशाल राज्य के एथलीटों के उज्जवल भविष्य और एकता का प्रतीक बनकर उभरेगी।

38वे राष्ट्रीय खेल 2025 एवं खेलों की भूमिका

उपलब्धियां और समर्पण:

- मुख्यमंत्री द्वारा दिसंबर 2024 में शुभंकर, लोगो, जर्सी, ध्वज, गीत और टैगलाइन का अनावरण किया गया था।
- इस आयोजन के लिए 'संकल्प से शिखर तक' (Resolve to Zenith) टैगलाइन निर्धारित की गई है, जो एथलीटों के लिए समर्पण, दृढ़ता और उत्कृष्टता की प्रेरणा देने का काम करती है।

Result Mitra

38वे राष्ट्रीय खेल 2025 एवं खेलों की भूमिका

उपलब्धियां और समर्पण:

- यह आयोजन 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक उत्तराखंड में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 10,000 से अधिक खिलाड़ी, कोच और अधिकारी भाग लेंगे।

Result Mitra

38वे राष्ट्रीय खेल 2025 एवं खेलों की भूमिका

खेल विधाएं:

- 38वीं राष्ट्रीय खेलों में 38 खेलों में प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी, जिसमें पारंपरिक भारतीय खेलों जैसे योग और मल्लखंब भी शामिल हैं। इन खेलों का आयोजन उत्तराखंड की सांस्कृतिक धारा और विरासत को सम्मानित करने का अवसर प्रदान करता है।
- पारंपरिक खेलों का समावेश इस बात को रेखांकित करता है कि आधुनिक खेलों के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक धरोहर भी महत्वपूर्ण है।

× × ×

38वे राष्ट्रीय खेल 2025 एवं खेलों की भूमिका

मशाल प्रज्वलन समारोह:

- राष्ट्रीय खेलों की मशाल को आधिकारिक रूप से प्रज्वलित किया गया था और यह उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में यात्रा करेगी, जो एकता और खेल भावना का प्रतीक बनेगी।
- मशाल की यात्रा का उद्देश्य युवाओं में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और उन्हें शारीरिक गतिविधियों के प्रति प्रेरित करना है।

× × ×

राष्ट्रीय खेलों का महत्व:

- राष्ट्रीय खेलों की शुरुआत ओलंपिक आंदोलन से हुई थी, जो भारत में 1920 के दशक में प्रचलित हुआ। इन खेलों का उद्देश्य ओलंपिक खेलों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा का चयन करना था। पहले भारतीय ओलंपिक खेल 1924 में लाहौर, पंजाब में आयोजित किए गए थे।
- स्वतंत्रता के बाद पहला राष्ट्रीय खेल लखनऊ में आयोजित हुआ था, जबकि पहला ओलंपिक-शैली का राष्ट्रीय खेल 1985 में दिल्ली में आयोजित हुआ।

Result Mitra

संगठन और नियमन:

- भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) राष्ट्रीय खेलों का संचालन करता है, जिसमें इन खेलों की अवधि और नियमों का निर्धारण किया जाता है।
- राष्ट्रीय खेलों का आयोजन न केवल एथलीटों को बहु-खेल आयोजन में भाग लेने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि यह राज्य स्तर के खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी होता है।

Result Mitra

संगठन और नियमन:

- इन खेलों का महत्व सिर्फ प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है, जिससे वे अपने देश का नाम रोशन कर सकें।
- यह आयोजन भारतीय खेलों के भविष्य के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा, जो पूरे देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देगा।

Result Mitra

सांभर महोत्सव

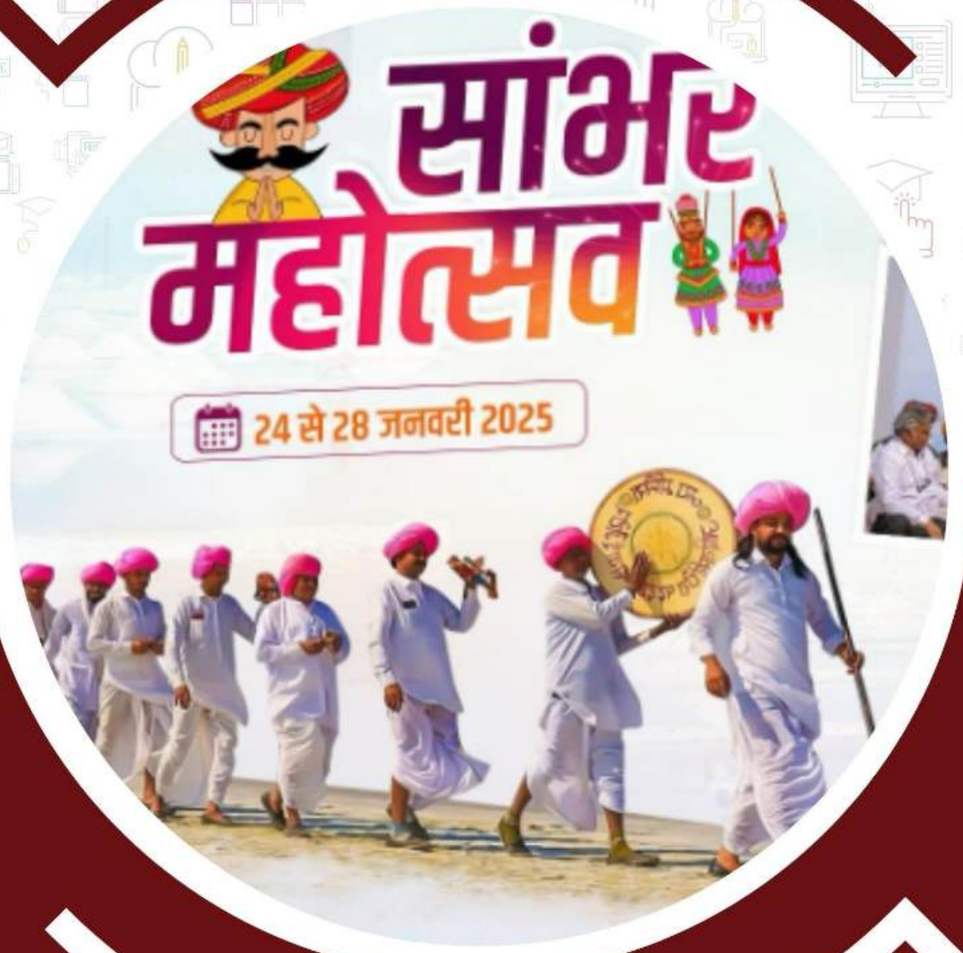

UPSC Syllabus Relavance :

- प्रारंभिक परीक्षा संदर्भ : सांभर महोत्सव 2025, राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर, भारत के Ramsar स्थल, पर्यटन क्षेत्र का आर्थिक महत्व, स्थानीय समाज पर पर्यटन के प्रभाव
- मुख्य परीक्षा संदर्भ : भारत में पर्यटन क्षेत्र का विकास और उसके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव, राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता और संरक्षण के उपाय, सांभर झील और उसका पर्यावरणीय महत्व, स्थानीय और वैश्विक पर्यटन में सांस्कृतिक गतिविधियों का योगदान, भारत में जलवायु और प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित पर्यटन विकास

सांभर महोत्सव

Result Mitra

आयोजन विवरण:

- सांभर महोत्सव 2025 का आयोजन 24 जनवरी से 29 जनवरी तक राजस्थान के सांभर में हुआ।
- महोत्सव में 2 लाख से अधिक देशी और विदेशी पर्यटकों ने भाग लिया।
- उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के नेतृत्व में सांभर को पर्यटन का नया डेस्टिनेशन बनाया गया।

सांभर महोत्सव

Result Mitra

सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियाँ:

- महोत्सव की शुरुआत दीपोत्सव और महाआरती से हुई, जिसमें देवयानी तीर्थ सरोवर पर भव्य दीप जलाए गए।
- राजस्थानी कला एवं शिल्प स्टॉल, फोटोग्राफी प्रदर्शनी और स्ट्रीट परफॉर्मेंस का आयोजन किया गया।
- सांस्कृतिक संध्या में लोक कलाकारों की परफॉर्मेंस ने पर्यटकों को आकर्षित किया।

सांभर महोत्सव

Result Mitra

रोमांचक गतिविधियाँ:

- पैरासेलिंग, पैरा मोटरिंग, पैराग्लाइडिंग, जीप सफारी और एटीवी राइड्स जैसी रोमांचक गतिविधियाँ आयोजित की गईं।
- पक्षी अवलोकन और साल्ट लेक भ्रमण जैसी गतिविधियाँ प्रकृति प्रेमियों के लिए थीं।
- सितारों का अवलोकन और एस्ट्रो टूरिज्म ने पर्यटकों को खासा आकर्षित किया।

सांभर महोत्सव

Result Mitra

स्थानीय संस्कृति और धरोहर का प्रदर्शन:

- सांभर टाउन हेरिटेज वॉक, पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- घुड़सवारी, ऊँट सवारी और ऊँट गाड़ी की सवारी पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बनी।
- नमक प्रसंस्करण टूर भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय रहा।

सांभर महोत्सव

Result Mitra

राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान का उभार:

- सांभर महोत्सव ने राजस्थान की कला, संस्कृति और प्राकृतिक धरोहर को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया।
- यह महोत्सव सांभर को एक नए पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करता है।

सांभर महोत्सव

Result Mitra

आर्थिक और सामाजिक प्रभाव:

- पर्यटन से जुड़े रोजगार और आर्थिक अवसरों में वृद्धि हुई है, जिससे स्थानीय समुदाय को लाभ हुआ है।
- महोत्सव से सांभर को एक प्रमुख पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में पहचान मिली है।

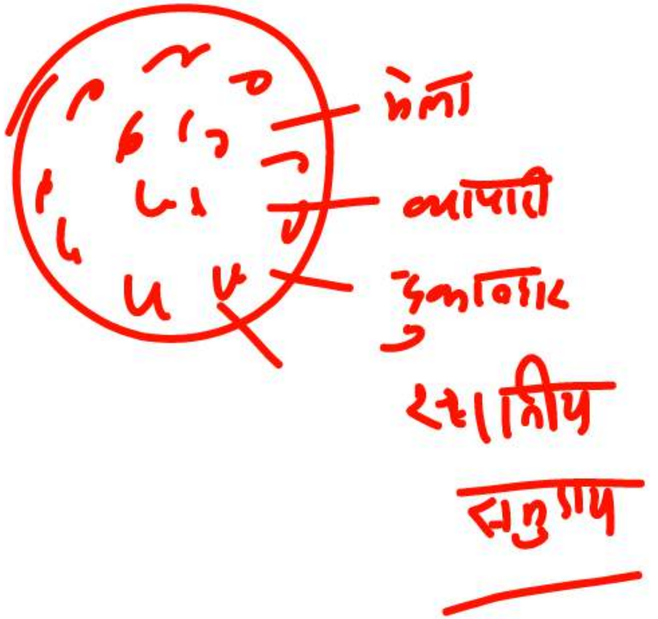

सांभर महोत्सव

Result Mitra

महत्व:

- सांभर महोत्सव ने राजस्थान की सांस्कृतिक समृद्धि और पर्यटन को बढ़ावा दिया।
- स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सांभर को पहचान दिलाई, जिससे पर्यटन क्षेत्र में विकास हुआ।

सांभर झील: एक महत्वपूर्ण जैविक और पारिस्थितिकीय धरोहर

- परिचय: सांभर झील भारत की सबसे बड़ी नमकीन जलाशय (Saltwater Lake) है, जो राजस्थान राज्य के नागौर और जयपुर जिलों में स्थित है। यह एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय और
- पारिस्थितिकीय स्थल के रूप में पहचानी जाती है और जैव विविधता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

Result Mitra

सांभर झील: एक महत्वपूर्ण जैविक और पारिस्थितिकीय धरोहर

स्थान और आकार:

- सांभर झील का आकार अंडाकार (elliptical) है, जिसकी लंबाई 35.5 किलोमीटर और चौड़ाई 3 किलोमीटर से लेकर 11 किलोमीटर तक है।
- यह 200 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्रफल में फैली हुई है और चारों ओर अरावली पहाड़ियों से घिरी हुई है।
- झील का पानी दो प्रमुख अस्थायी नदियों, मेंढा और रनपंघर, के साथ-साथ कई नालों और सतही जलप्रवाह से मिलता है, जो इसे निरंतर जल आपूर्ति प्रदान करते हैं।

सांभर झील: एक महत्वपूर्ण जैविक और पारिस्थितिकीय धरोहर

Result Mitra

पर्यावरणीय महत्व:

- सांभर झील एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि (wetland) है, जो विभिन्न पक्षियों और जलीय जीवों का आवास है।
- यह झील विशेष रूप से प्रवासी पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है, जो यहां प्रजनन के लिए आते हैं।

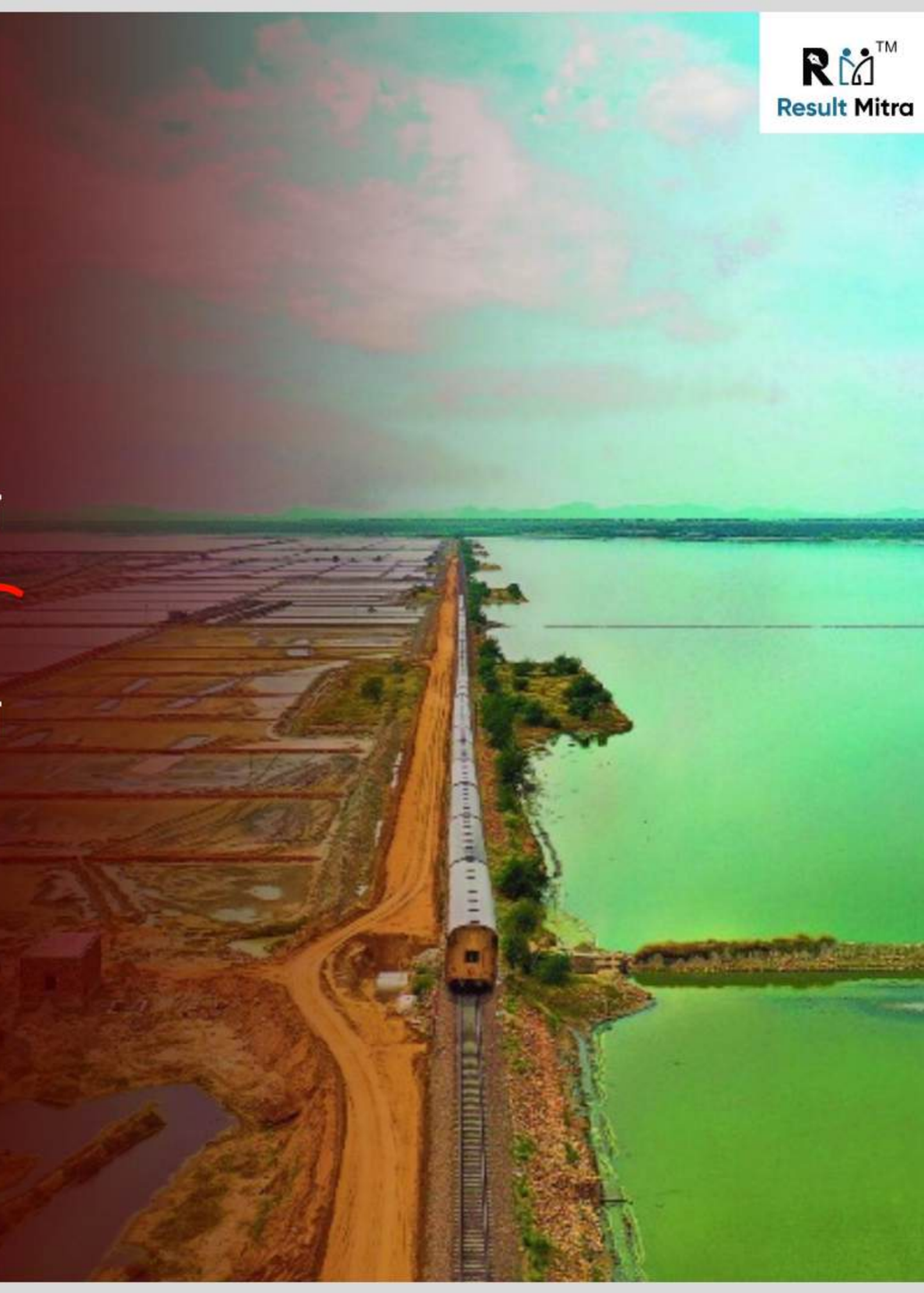

सांभर झील: एक महत्वपूर्ण जैविक और पारिस्थितिकीय धरोहर

पर्यावरणीय महत्व:

- 1990 में इस झील को रामसर स्थल (Ramsar Site) के रूप में घोषित किया गया था, जो इसे अंतरराष्ट्रीय जैविक धरोहर के रूप में मान्यता प्रदान करता है।
- झील के जलवायु, जलचरों और पौधों की विविधता पर गहरा असर पड़ता है, जिससे यह क्षेत्र पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने में योगदान करता है।

Result Mitra

सांभर झील: एक महत्वपूर्ण जैविक और पारिस्थितिकीय धरोहर

समाज और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव:

- झील का उपयोग नमक उत्पादन के लिए किया जाता है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके आस-पास के क्षेत्रों में नमक की आपूर्ति और व्यापार से रोजगार के अवसर उत्पन्न होते हैं।
- सांभर झील के आसपास के क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिला है, जिससे स्थानीय समुदाय को आर्थिक लाभ हो रहा है।

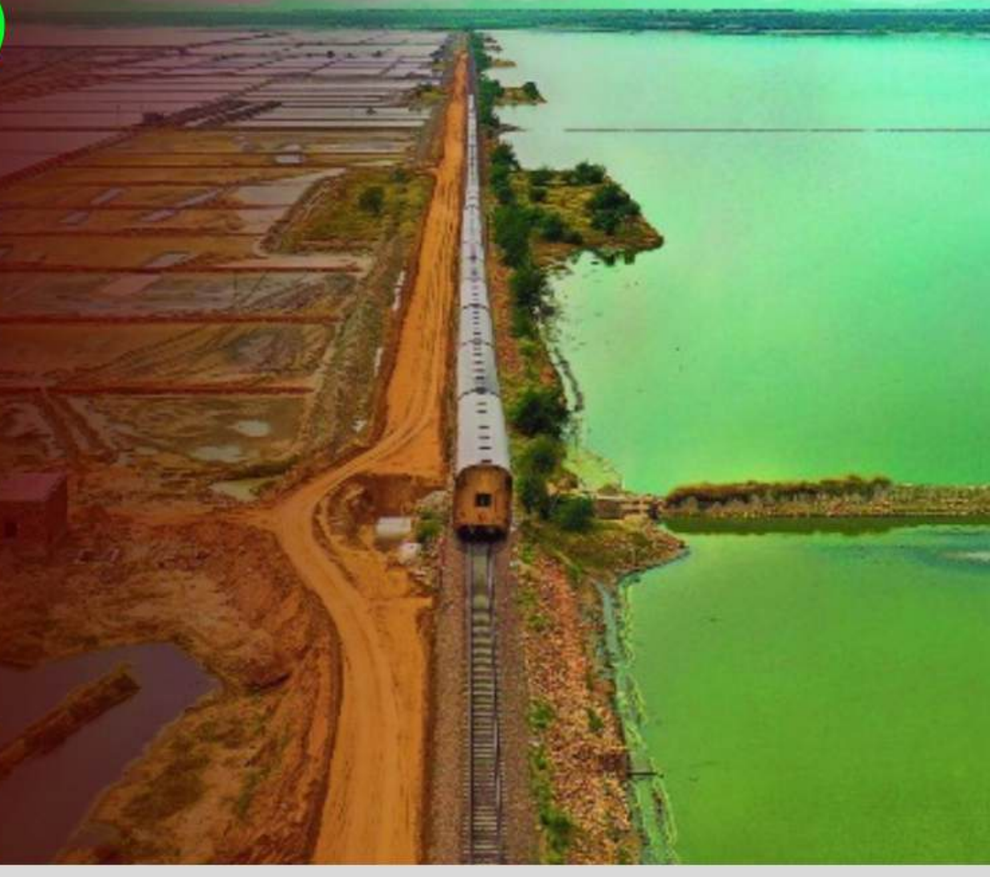

Result Mitra

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: सांभर महोत्सव 2025 के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. सांभर महोत्सव का आयोजन सांभर झील के पास हुआ, जो भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।

2. सांभर महोत्सव ने सांभर को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित किया और राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि

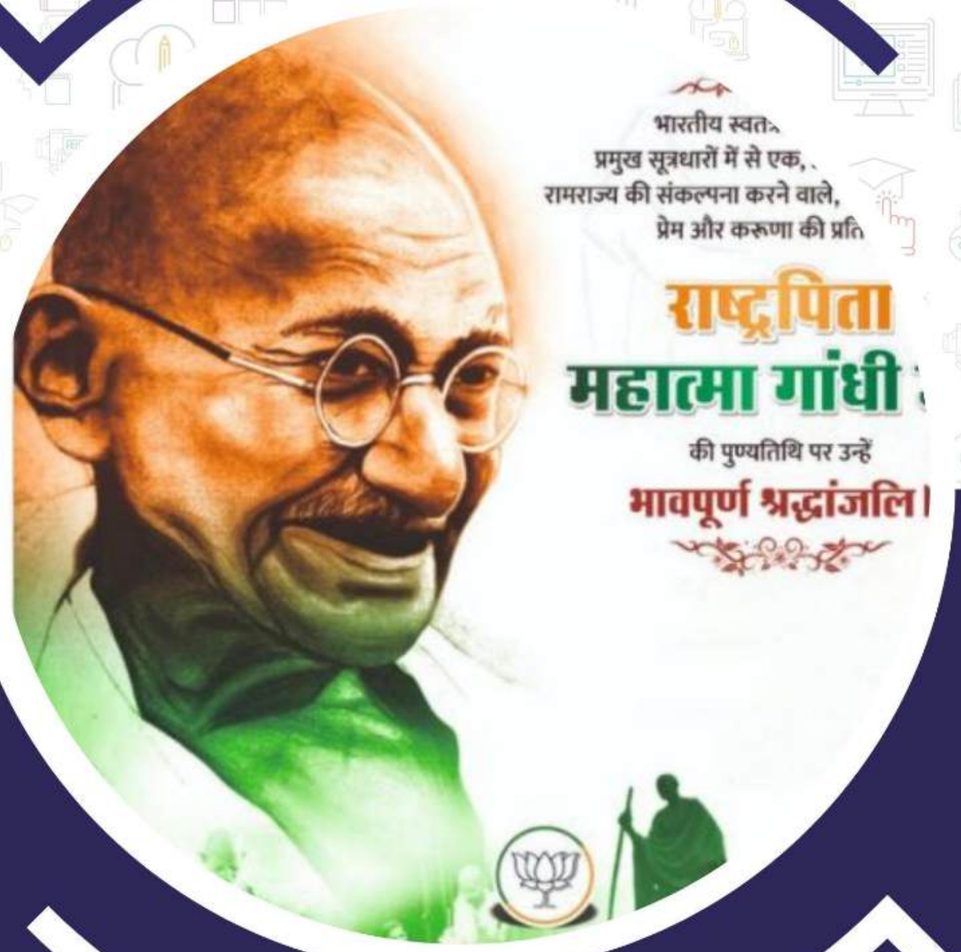

UPSC Syllabus Relavance :

- प्रारंभिक परीक्षा के लिए: महात्मा गांधी, शहीद दिवस, अस्पृश्यता, संयुक्त राज्य अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग, म्यांमार में आंग सान सू की, सांप्रदायिक सद्भाव
- मुख्य परीक्षा के लिए: गांधीवादी विचारधाराओं के प्रमुख पहलू, आज के समय में महात्मा गांधी के सिद्धांतों की प्रासंगिकता

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि

Result Mitra

महात्मा गांधी और उनकी विचारधारा की प्रासंगिकता:

पुण्यतिथि और शहीद दिवस:

- 30 जनवरी, 2025 को महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।
- यह दिन शहीद दिवस के रूप में भी मनाया गया।

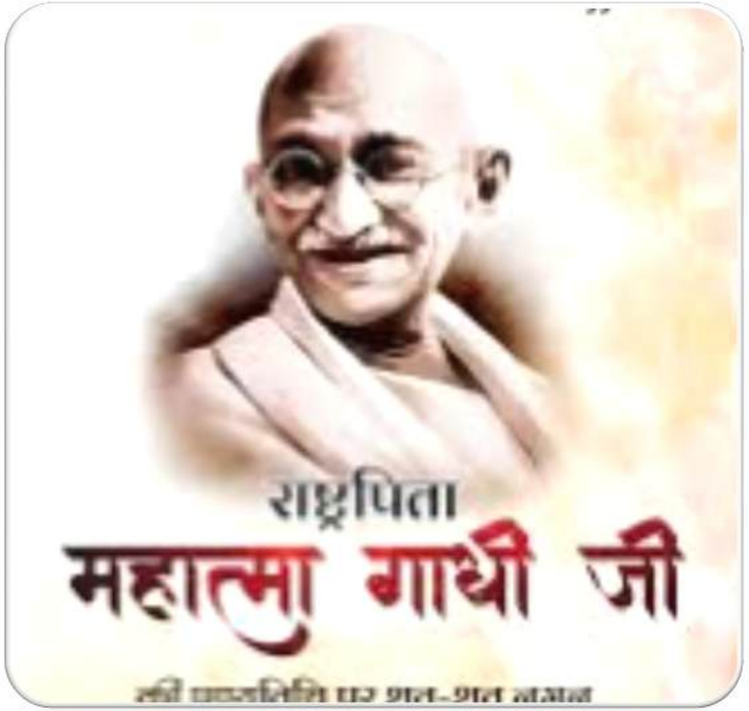

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि

Result Mitra

गांधीजी के प्रमुख विचार:

अहिंसा और सत्य:

- गांधीजी का मानना था कि अहिंसा और सत्य केवल राजनीतिक उपकरण नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं।
- ये सिद्धांत स्थायी शांति और समाज में सद्भाव की ओर ले जाते हैं।
- इनका पालन विभिन्न वैश्विक आंदोलनों में किया गया (मार्टिन लूथर किंग, नेल्सन मंडेला)।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि

Result Mitra

गांधीजी के प्रमुख विचार:

सांप्रदायिक सद्भाव और एकता:

- गांधीजी का विश्वास था कि भारत की शक्ति उसकी विविधता में है।
- धर्म, जाति और सांप्रदायिक पृष्ठभूमि से परे समान अधिकार का समर्थन किया।
- उन्होंने भारत में धर्मनिरपेक्षता और सांप्रदायिक सद्भाव बढ़ाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि

Result Mitra

गांधीजी के प्रमुख विचार:

आत्मनिर्भरता:

- गांधीजी ने भारतीयों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।
- उनका मानना था कि भारत को अपनी पारंपरिक ताकतों और संसाधनों पर निर्भर रहकर आत्मनिर्भर बनना चाहिए।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि

Result Mitra

वर्तमान संदर्भ में गांधीजी की विचारधारा:

मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला द्वारा गांधीवाद का पालन:

- मार्टिन लूथर किंग ने अमेरिकी नागरिक अधिकार आंदोलन में गांधीजी के अहिंसा के सिद्धांत को अपनाया।
- नेल्सन मंडेला ने दक्षिण अफ्रीका में नस्लीय भेदभाव के खिलाफ गांधीजी की विचारधारा को अपनाया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि

Result Mitra

वर्तमान संदर्भ में गांधीजी की विचारधारा:

समाज में बदलाव की आवश्यकता:

- वर्तमान में गांधीजी के सिद्धांतों की प्रासंगिकता अधिक बढ़ गई है, क्योंकि समाज में हिंसा, भौतिकवाद और असमानता बढ़ रही है।
- दलाई लामा का मानना है कि समकालीन समय में गांधीवादी दर्शन अपनाना आवश्यक है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि

Result Mitra

निष्कर्ष:

- गांधीजी के विचार आज भी समाज में परिवर्तन लाने के लिए प्रासंगिक हैं।
- उनकी जीवनदृष्टि, सत्य, अहिंसा और आत्मनिर्भरता का पालन करना आज के समाज में आवश्यक है।
- गांधीजी का दर्शन केवल भारत में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी संघर्षों और आंदोलनों में मार्गदर्शन करता है।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित में से किस व्यक्ति ने 'सॉन्ग्स फ्रॉम प्रिज़न' नामक काव्य संग्रह में प्राचीन भारतीय धार्मिक गीतों का अंग्रेजी में अनुवाद किया था?

(a) बाल गंगाधर तिलक

(b) जवाहरलाल नेहरू

(c) मोहनदास करमचंद गांधी

(d) सरोजिनी नायडू

Result Mitra

Thank You